



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 86]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1976/फाल्गुन 2, 1897

No. 86] [NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1976/PHALGUNA 2, 1897

स भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 21st February 1976

S.O. 132(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—

1. (1) This Order may be called the Imports (Control) Second Amendment Order, 1976.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

2. In item (ii) of sub-clause (3) of clause 5 of the Imports (Control) Order, 1955, after the proviso, the following further proviso shall be inserted namely:—

Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to licences issued to eligible export houses for import of goods meant for disposal to actual users under the import policy for registered exporters.”

[No. F. 1/3/REP/74-EPC(Pt.)]

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports and Exports.

बाणिज्य मंत्रालय

आदेश

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1976

का० पा० 132 (घ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में और आग संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश का निर्माण करता है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश को आयात (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन आदेश, 1976 की मजा दी जाए।
- (2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होगा।
2. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 5 की उप-धारा (3) की मद संख्या (2) में परन्तुक के बाद निम्नलिखित और परन्तुक को जोड़ा जाएगा अर्थात् :—

“और बशर्ते कि इस उप-धारा की मद (1) और (2) के अन्तर्गत शर्तें उन लाइसेंसों के सम्बन्ध में भी लागू नहीं होंगी जो पाल निर्यात सदनों को पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अधीन वार्षिक उपयोगिताओं को बचने के उद्देश्य से भाल के आयात के लिए जारी किए गए हैं।”

[सं० फा० 1/3/आरईपी/74-ईपीसी (भाग)]

पी० के० कौल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।